

प्रेषक,

सी० एस० नपलच्चाल,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

परिवहन आयुक्त
उत्तराखण्ड,
कुल्हान, सहस्रधारा रोड
देहरादून।

परिवहन अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक १५ जुलाई, 2016

विषय— बागेश्वर में बस स्टैण्ड के निर्माण हेतु वित्तीय स्वीकृति प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय बागेश्वर में बस स्टैण्ड के निर्माण हेतु आगणन की आकलित धनराशि ₹396.00 लाख के सापेक्ष टी०ए०सी० द्वारा आगणित औचित्यपूर्ण अनुमोदित धनराशि ₹288.83 लाख पर अनुमोदन प्रदान किया गया है। वित्तीय वर्ष 2011-12 में उक्त कार्य के लिए शासनादेश दिनांक 20 मार्च, 2012 द्वारा ₹25.00 लाख, वित्तीय वर्ष 2013-14 में शासनादेश दिनांक 17 फरवरी, 2014 द्वारा ₹35.00 लाख, वित्तीय वर्ष 2014-15 में शासनादेश दिनांक 06.12.2014 द्वारा ₹15.00 लाख तथा वित्तीय वर्ष 2015-16 में शासनादेश दिनांक 07.11.2015 द्वारा ₹35.00 लाख (कुल धनराशि ₹110.00 लाख) की स्वीकृत प्रदान की जा चुकी है।

2— प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड परिवहन निगम, देहरादून के पत्र संख्या— 144 नि०म०/X/सी०ए०घ००—बागेश्वर डिपो स्थान/2016, दिनांक 18.07.2016 द्वारा कार्यदायी संस्था से प्राप्त पूर्व में स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण—पत्र प्राप्त होने के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 में ₹26.67 लाख (रूपये छब्बीस लाख सङ्करे हजार मात्र) की धनराशि आपके निवर्तन पर रखते हुए उक्त धनराशि के व्यय की श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं—

(i) कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल आफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता/सक्षम अधिकारी से अनुमोदित करना आवश्यक होगा।

(ii) कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानवित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।

(iii) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

(iv) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।

(v) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।

(vi) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 2047/XIV-219(2006) दिनांक 30-5-2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।

(vii) आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

(viii) कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

2— उक्त धनराशि कोषागार से आहरित कर चैक के माध्यम से तत्काल प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड परिवहन निगम देहरादून को उपलब्ध करा दी जाय।

3— इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या 24 के लेखाशीर्षक 5055-सङ्क परिवहन पर पूंजीगत परिव्यय 00-आयोजनागत 190-सार्वजनिक क्षेत्र तथा अन्य उपक्रमों में निवेश 03-उत्तराखण्ड परिवहन निगम हेतु बस स्टैण्ड के निर्माण हेतु अनुदान 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के लिए भुगतान के नामें डाला जायेगा।

4— यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-490/xxvii(1)/2016, दिनांक 31 मार्च, 2016 के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

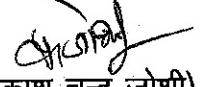
(सी एस० नपलच्याल)
सचिव।

संख्या—६० (1)/2016/24/IX/2010 तददिनांक।

प्रतिलिपि— निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित—

- 1— महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोर्टर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2— महालेखाकार (आडिट) उत्तराखण्ड वैभव पैलेश सी-1/105 इन्दिरानगर, देहरादून।
- 3— निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, 23-लक्ष्मी रोड, देहरादून।
- 4— प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड परिवहन निगम, देहरादून।
- 5— मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
- 6— जिलाधिकारी, बागेश्वर।
- 7— आहरण वितरण अधिकारी, परिवहन आयुक्त कार्यालय, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 8— वित्त नियंत्रक, उत्तराखण्ड परिवहन निगम मुख्यालय देहरादून।
- 9— वित्त अनु-2।
- 10— नियोजन अनुभाग।
- 11— एन०आई०सी० उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
- 12— गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(प्रकाश चन्द्र जोशी)
उप सचिव।